नवोन्मेष
रुक्टा (राष्ट्रीय)

राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)
(अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से संबद्ध)

website: www.ructarashtriya.org **Email:** info@ructarashtriya.org

केन्द्रीय कार्यालय : देराश्री शिक्षक सदन, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर-302004
प्रधान कार्यालय : सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर-305001 (राज.)
अध्यक्ष : डॉ. दिग्विजयसिंह शेखावत, बीकानेर मो. 9414452369, 9983007575
महामंत्री : डॉ. नारायणलाल गुप्ता, अजमेर मो. 9414497042

परिपत्र क्रं. : रुक्टा (रा.)/2016-17/01 आषाढ़ शु. ५ वि. स. २०७३ तदनुसार 9 जुलाई, 2016
(सभी इकाई सचिवों एवं सक्रिय सदस्यों को समस्त सदस्यों में प्रसारित करने के अनुरोध सहित प्रेषित)

प्रिय महोदय/महोदया,

सादर नमस्कार।

पिछले परिपत्र के पश्चात् पदनाम परिवर्तन के संबंध में मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्च स्तरीय बैठक, प्राचार्यों एवं उपप्राचार्यों की डी.पी.सी., वरिष्ठ एवं चयनित वेतनमान की संवीक्षा, पे-बैंड 4 में आगामी वेतन वृद्धि के लिए 6 माह की आवश्यकता का आदेश वापिस लेने, उच्च शिक्षा मंत्रीजी से भेंट, प्रदेश अभ्यास वर्ग एवं प्रदेश कार्यकारिणी बैठक के विवरण सहित संगठन की अन्य गतिविधियों तथा आगामी कार्यक्रमों की सूचना के साथ यह परिपत्र प्रस्तुत है।

शिक्षक समस्याओं के संबंध में संगठन की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

1. **मुख्यमंत्री कार्यालय में पदनाम परिवर्तन के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक सम्पन्न** - गत 12 अप्रेल को मुख्यमंत्री आवास पर संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे जी से भेंट कर शिक्षकों के पदनाम को यू.जी.सी. के अनुरूप बदलने के लिए भेंट की थी। उक्त भेंट की सकारात्मक प्रगति के क्रम में मुख्यमंत्रीजी के निर्देशानुसार 11 मई 2016 को मुख्यमंत्री कार्यालय में पदनाम परिवर्तन के संबंध में उच्च शिक्षा मंत्री श्री कालीचरणजी सराफ की अध्यक्षता में अतिरिक्त मुख्य सचिव (उच्च शिक्षा) श्री राजहंसजी उपाध्याय, वित्त सचिव श्री प्रेमसिंहजी मेहरा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री तन्मयकुमारजी एवं भा.ज.पा. प्रदेश अध्यक्ष श्री अशोकजी परनामी के साथ संगठन महामंत्री की बैठक सम्पन्न हुई। संगठन की ओर से शिक्षकों का पक्ष 500 से अधिक पृष्ठों के प्रतिवेदन के साथ रखा गया। संगठन के द्वारा रखे गए तथ्यों पर गहन चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया कि पदनाम परिवर्तन हेतु विस्तृत टिप्पणी के साथ फाईल पुन: उच्च शिक्षा विभाग द्वारा मुख्यमंत्री कार्यालय को भिजवाई जाए। संगठन को जानकारी की दी गई है कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विस्तृत तथ्यों के साथ सकारात्मक नोट बना लिया गया है तथा इसे शीघ्र ही कार्यालयी औपचारिकताओं के पश्चात् अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित कर दिया जायेगा।

2. **प्राचार्य/उपप्राचार्य पद की डी.पी.सी. सम्पन्न** - संगठन लगातार प्राचार्य एवं उपप्राचार्य पद पर समयबद्ध डी.पी.सी. की मांग करता आ रहा है। संगठन के लगातार प्रयासों से प्राचार्य/उपप्राचार्य पद की डी.पी.सी. 4 जुलाई को राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर में सम्पन्न हुई। सत्र 2015-16 के लिए 32 स्नातकोत्तर प्राचार्य, 62 स्नातक प्राचार्य तथा 91 उपप्राचार्य पद हेतु पात्र शिक्षकों को पदोन्नति देना तय किया गया। इसी प्रकार सत्र 2016-17 के लिए 45 स्नातकोत्तर प्राचार्यों, 80 स्नातक प्राचार्यों तथा 102 उपप्राचार्यों की डी.पी.सी. सम्पन्न की गई। इस प्रकार स्नातकोत्तर प्राचार्य पद पर कुल 77, स्नातक प्राचार्य पद पर कुल 142, तथा उपप्राचार्य पद पर कुल 193 शिक्षक साथियों को पदोन्नति का लाभ मिला है। संगठन ने डी.पी.सी. करवाने हेतु सरकार का आभार व्यक्त करते हुए पदोन्नत शिक्षकों के अविलम्ब पदस्थापन की मांग की है ताकि महाविद्यालयों की प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुचारू ढंग से चल सकें।

3. **वरिष्ठ एवं चयनित वेतनमान हेतु संवीक्षा सम्पन्न** - 4 जुलाई 2016 को कॅरियर एडवांसमेंट योजना के तहत वरिष्ठ एवं चयनित वेतनमान हेतु संवीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। संवीक्षा के उपरांत 178 शिक्षकों को वरिष्ठ वेतनमान तथा 157 शिक्षकों को चयनित वेतनमान देना तय किया गया। उल्लेखनीय है कि संगठन ने कॅरियर एडवांसमेंट योजना में वरिष्ठ, चयनित एवं पे बैंड-4 का लाभ देने के लिए नियमित संवीक्षा बैठक आयोजित करने हेतु लगातार दबाव बनाया है। संगठन के प्रयासों के चलते उच्च शिक्षामंत्री श्री कालीचरण जी सराफ ने सीकर अधिवेशन में इस संबंध में घोषणा की थी। संगठन ने सरकार का आभार व्यक्त करते हुए पुनः आग्रह किया है कि संवीक्षा/डीपीसी की बैठकों को समयबद्ध नियमित रूप से करवाने की व्यवस्था की जाए तथा पे-बैंड-4 के पात्र शिक्षकों की संवीक्षा बैठक भी शीघ्र आयोजित की जाए। संगठन ने विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क कर आवेदन करने वाले सभी शिक्षकों को वरिष्ठ/चयनित वेतनमान नहीं देने पर आपत्ति जताई। विभाग ने संगठन को जानकारी दी है कि शेष रहे शिक्षक साथियों के आवेदन पत्रों में कुछ कमियाँ है, जिन्हें शीघ्र ही पूर्ण करवाने की सूचना जारी कर उन्हें वरिष्ठ/चयनित वेतनमान देने हेतु प्रक्रिया सम्पन्न की जाएगी।

4. **पे बैंड-4 में आगामी वेतन वृद्धि हेतु 6 माह की सेवा की आवश्यकता का आदेश वापिस** - 29 जनवरी 2016 को मुख्य लेखाधिकारी आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा ने एक पत्र जारी कर पे बैंड-4 में आगामी वार्षिक वेतनवृद्धि हेतु 1 जुलाई से 6 माह की न्यूनतम सेवा की आवश्यकता का आदेश जारी किया था। आदेश जारी करने हेतु सक्षम अधिकारी नहीं होने के बावजूद नियमों की गलत व्याख्या कर अगली वेतनवृद्धि के लिए 6 माह की शर्त लगाने के इस आदेश का संगठन ने पुरजोर विरोध किया। संगठन के लगातार प्रयासों से उक्त प्रकरण में रिकवरी पर स्थगन आदेश जारी कर फाइल को वित्त विभाग भेजा गया। संगठन द्वारा दिए गए तथ्यों एवं तर्कों से सहमत होकर वित्त विभाग ने उक्त 6 माह की सेवा प्रावधान को गलत मान लिया है। वित्त विभाग की आई.डी. 10160957 के आधार पर आयुक्त कॉलेज शिक्षा ने दिनांक 21-6-2016 को संशोधन आदेश जारी कर मुख्य लेखाधिकारी द्वारा निकाले गये उक्त आदेश को निष्प्रभावी कर दिया है।

5. **यू.जी.सी. अध्यादेश 2010 के तीसरे संशोधन का महासंघ द्वारा विरोध परिणामस्वरूप उसमें पुनः संशोधन** – अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ यू.जी.सी. रेगुलेशन 2010 में सी.ए.एस. के तहत पदोन्नति में ए.पी.आई. अंकों में शिथिलता एवं ए.पी.आई. अंकों में श्रेणीवार कैपिंग को हटाने हेतु सक्रियता से निरन्तर प्रयासरत था। गत 10 मई 2016 को जारी उक्त रेगुलेशन के तीसरे संशोधन के द्वारा ए.पी.आई. अंकों को कुछ सीमा तक सरलीकृत किया गया, किन्तु साथ ही प्रायोगिक एवं सैद्धान्तिक कार्यभार में अन्तर करने, सी.ए.एस. पदोन्नति में विद्यार्थियों के फीडबैक को अनिवार्य करने तथा कार्यभार के घण्टों में बदलाव करने सहित कुछ अन्य अनावश्यक शर्तें लगा दी गई। संगठन ने इस संशोधन का तीव्र विरोध किया। इस संबंध में महासंघ के प्रतिनिधिमंडल के साथ यू.जी.सी. अध्यक्ष एवं मानव संसाधन विकास मंत्री के साथ लम्बी वार्ता हुई। महासंघ की ओर से अनावश्यक व अव्यवहारिक संशोधन का विरोध करते हुए इन्हें वापिस लेने की मांग की गई। 6 जून 2016 को मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी के साथ डेढ़ घंटे तक हुई बैठक में अंततः प्रायोगिक एवं सैद्धान्तिक कार्यभार पूर्वानुसार रखने, ए.पी.आई. अंकों में सभी प्रकार की कैपिंग हटाने, शिक्षकों के कार्यभार को पूर्ववत रखते हुए ट्यूटोरियल के घंटों को कार्यभार में शामिल करने, शोध जर्नल्स की सूची संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा तय किये जाने की घोषणा की। महासंघ के जुझारू नेतृत्व द्वारा शिक्षकहित में किए गये इन प्रयासों के प्रति रुक्टा (राष्ट्रीय) आभार व्यक्त करता है।

6. **यू.जी.सी. द्वारा सातवें वेतन आयोग के अनुरूप वेतन समीक्षा कमेटी का गठन** – केन्द्र सरकार द्वारा कर्मचारियों के वेतन पुनः निर्धारण हेतु सातवें वेतन आयोग के गठन के साथ ही रुक्टा (राष्ट्रीय) ने अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के माध्यम से केन्द्र सरकार पर विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षकों की वेतन समीक्षा कमेटी के गठन हेतु निरन्तर सम्पर्क कर दबाव बनाया था। इस संबंध में महासंघ की मानव संसाधन विकास मंत्रीजी से दो बार विस्तृत भेंट हुई। संगठन के लगातार प्रयासों एवं दबाव के चलते अंततः यू.जी.सी. ने गत 9 जून 2016 को उक्त कमेटी का गठन कर दिया है। संगठन की तरफ से कमेटी के समक्ष प्रस्तुत किये जाने हेतु प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है। विद्वान शिक्षक साथियों से इस संबंध में विस्तृत सुझाव आमंत्रित है। कृपया अपने सुझाव info@ructarashtriya.org पर भिजवाएं।

7. **उच्च शिक्षा मंत्रीजी से भेंट** – संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने 31 मई 2016 को उच्च शिक्षा मंत्रीजी से भेंट कर लंबित शिक्षक समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। उच्च शिक्षा मंत्रीजी द्वारा सीकर अधिवेशन में प्राचार्य/उपप्राचार्य पदों की डी.पी.सी., आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षकों के सी.ए.एस. लाभ के आदेश एवं 2013 के बाद ड्यू वरिष्ठ/चयनित एवं पे-बैंड 4 की स्क्रीनिंग को 1 माह में करने की घोषणाओं को लगभग 6 माह व्यतीत होने पर भी क्रियान्वयन नहीं होने पर संगठन ने रोष व्यक्त किया। मंत्रीजी ने विभाग के अधिकारियों को फोन पर उक्त घोषणाओं को शीघ्र क्रियान्वित करने के निर्देश प्रदान किये। उच्च शिक्षा मंत्रीजी ने पूर्व सेवा के लाभ, निदेशक (अकादमी) पद पर

शिक्षक की नियुक्ति, सी.ए.एस. लाभ हेतु प्रतिवर्ष स्क्रीनिंग, रिक्त पदों पर भर्ती, पीएच.डी. के दोहरे लाभ, आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षकों की समस्याओं आदि प्रकरणों में चल रही कार्यवाही की जानकारी देते हुए समाधान हेतु आश्वस्त किया। इसके अतिरिक्त 20 जून को मंत्रीजी के प्रवास के दौरान चुरू में स्थानीय इकाई के प्रतिनिधि मंडल ने भी मंत्रीजी से भेंट कर शिक्षक समस्याओं के समाधान पर चर्चा की।

8. **राज्यसभा सदस्य श्री भूपेन्द्रजी यादव से भेंट** - 24 जून 2016 को राज्य सभा सदस्य एवं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री भूपेन्द्रजी यादव से अजमेर आगमन पर भेंट की गई। श्री यादव से महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम परिवर्तन एवं अन्य समस्याओं के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। श्री यादव ने इस संबंध में उनकी मुख्यमंत्री जी से हुई चर्चा की जानकारी देते हुए पदनाम परिवर्तन की कार्यवाही को त्वरित करवाने का आश्वासन दिया।

9. **अतिरिक्त मुख्य सचिव (उच्च शिक्षा) श्री राजहंसजी उपाध्याय से भेंट** - 11 मई 2016 को संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने अतिरिक्त मुख्य सचिव (उच्च शिक्षा) से भेंट कर उन्हें लम्बित शिक्षक समस्याओं की विस्तार से जानकारी दी तथा व्यापक शिक्षक हित में समस्याओं के सकारात्मक समाधान की मांग की। श्री उपाध्याय ने संगठन द्वारा रखे गए तथ्यों को गंभीरता से समझा तथा प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि शीघ्र ही इन विषयों पर विस्तृत पत्रावली का अध्ययन कर वे अपेक्षित कार्यवाही करेंगे।

10. **नवीन महाविद्यालयों में संसाधन उपलब्ध करवाने के संबंध में** - सरकार द्वारा पिछले समय में कई नए राजकीय महाविद्यालय खोले गए हैं। इनमें कुछ बड़े स्थानों पर पुराने महाविद्यालयों के संकायों का पुनर्गठन कर तथा अन्य तहसील/उपखण्ड स्तर पर खोले गए हैं। उच्च शिक्षा के विस्तार या बेहतर प्रबंधन के लिए यह ठीक हो सकता है, किन्तु संसाधनों/शिक्षकों/कर्मचारियों की बिना पूर्व योजना के इस प्रकार महाविद्यालय खोलने से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में ह्रास तो होता ही है साथ ही जिन उद्देश्यों के लिए ये महाविद्यालय खोले जाते हैं वह भी पूरे नहीं होते। संगठन ने सरकार से मांग की है कि शीघ्र ही नवीन घोषित/खोले गए महाविद्यालयों की मूलभूत सुविधाओं भवन, मैदान, पुस्तकालय, प्रयोगशाला के लिए पर्याप्त बजट जारी किया जाए तथा इनमें आवश्यक संख्या में शिक्षकों/कर्मचारियों की नियुक्तियाँ की जाए।

11. **निजी विश्वविद्यालयों के लिए राज्य नियामक आयोग के गठन की तैयारी** - निजी विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता एवं विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए संगठन लम्बे समय से राज्य नियामक आयोग के गठन की मांग करता आया है। संगठन के लगातार प्रयासों से इस क्रम में अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च शिक्षा ने दिनांक 26-4-2016 को इस हेतु विभाग द्वारा तैयार विधेयक के प्रारुप को जारी किया है। संगठन को आशा है कि इस विधेयक को शीघ्र ही अन्तिम रूप देकर लागू किया जायेगा।

सांगठनिक एवं वैचारिक गतिविधियाँ

1. **विस्तृत प्रदेश कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न** - संगठन की विस्तृत प्रदेश कार्यकारिणी बैठक दिनांक 8-6-2016 को डॉ. दिग्विजयसिंह शेखावत की अध्यक्षता में माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर में सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम महामंत्री द्वारा गत बैठक की कार्यवाही विवरण को सदन के समक्ष रखा गया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके बाद महामंत्री ने गत बैठक के पश्चात् संगठन की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि इस अवधि में मुख्यमंत्री, मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री एवं केबिनेट मंत्रीगण गुलाबचन्दजी कटारिया, अरुणजी चतुर्वेदी, वासुदेवजी देवनानी, भाजपा अध्यक्ष अशोकजी परनामी सहित अन्य विधायकों से भेंट कर शिक्षक समस्याओं विशेषकर पदनाम परिवर्तन को हल करने की मांग की गई। पदनाम परिवर्तन हेतु 4200 से अधिक शिक्षकों के हस्ताक्षर एवं 92 जनप्रतिनिधियों के समर्थन पत्र प्राप्त किये गये। कतिपय विश्वविद्यालयों में घटित देश विरोधी घटनाओं पर कार्यवाही करने हेतु 4000 से अधिक शिक्षकों के हस्ताक्षर, जनप्रदर्शन, गोष्ठियाँ आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त अन्य शिक्षक समस्याओं यथा पे बैंड-4 में रिकवरी पर स्थगन, यू.जी.सी. रेगुलेशन के नवीन संशोधन का विरोध सहित अन्य लम्बित समस्याओं पर संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी गई। साथ ही नवसंवत्सर कार्यक्रम, अम्बेडकर जयंती एवं पाठ्यक्रम परिवर्तन को लेकर हुए कार्यक्रमों की जानकारी भी सदन के समक्ष रखी गई। बैठक के अगले चरण में सदस्यों ने लम्बित शिक्षक समस्याओं पर गहनता से विचार विमर्श कर सक्रिय कार्यवाही की योजना बनाई। सदन ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि पदनाम परिवर्तन को लेकर संगठन की सक्रियता एवं दबाव के चलते प्रक्रिया पुनः प्रारम्भ हुई है। इसके बाद सत्र 2016-17 के लिए वार्षिक योजना को अन्तिम रूप दिया गया। इसमें 1 जुलाई को अधिकतम सदस्यता, 15 जुलाई तक सम्पूर्ण सदस्यता, 19 जुलाई या इसके आस-पास गुरुवंदन कार्यक्रम, जुलाई-अगस्त माह में पौधारोपण एवं देखभाल, अगस्त माह में कार्यकारिणी बैठक, सितम्बर-अक्टूबर में विभागशः शिक्षा की गुणवत्ता के विभिन्न आयामों पर संगोष्ठी, नवम्बर में कार्यकारिणी बैठक, दिसम्बर-जनवरी में प्रदेश अधिवेशन, 12 जनवरी से 23 जनवरी के मध्य कर्त्तव्य बोध दिवस, फरवरी-मार्च में कार्यकारिणी बैठक, अप्रेल में नव संवत्सर कार्यक्रम तथा जून में विस्तृत कार्यकारिणी बैठक तय किये गये। बैठक में संगठन के अधिवेशनों को स्ववित्तपोषी करने पर सर्वसम्मति बनी। कार्यकारिणी बैठक में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संगठन मंत्री श्री महेन्द्रजी कपूर ने संबोधित करते हुए महासंघ के प्रतिनिधि मंडल की यू.जी.सी. अध्यक्ष एवं मानव संसाधन विकास मंत्री से विभिन्न शिक्षक समस्याओं एवं यू.जी.सी. रेगुलेशन में हुए नवीन संशोधन पर आपत्तियों को लेकर हुई विस्तृत भेंट की जानकारी दी। श्री महेन्द्रजी कपूर ने बताया कि श्रीमती स्मृति ईरानीजी ने संगठन की अधिकांश मांगों पर सकारात्मक रुख रखते हुए अपेक्षित कार्यवाही करने के निर्देश सक्षम अधिकारियों को दे दिये हैं। उन्होंने शिक्षक प्रशिक्षण, परीक्षा सुधार, केम्पस सुधार जैसी शिक्षा की गुणवत्ता से जुड़े विषयों पर गोष्ठी आयोजित करने हेतु शैक्षिक मंथन संस्थान के पूर्ण सहयोग का

भरोसा दिलाया। अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए डॉ. दिग्विजयसिंह ने वैचारिक अधिष्ठान के आलोक में कार्यकर्ताओं को समर्पण भाव से कार्य करने का आह्‌वान किया। अंत में गत बैठक के पश्चात् प्रभुतत्व में लीन शिक्षक साथियों प्रो. अनूपकुमार अजमेर, प्रो. एच. एस. शर्मा चिमनपुरा, प्रो. सीताराम गालव कोटा, प्रो. आर. के. माथुर ब्यावर, प्रो. बी. एन. शर्मा बीकानेर को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख प्रार्थना की गई। सामूहिक कल्याण मंत्र के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

2. **संगठन का प्रदेश कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग सम्पन्न** - राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) का दो दिवसीय प्रदेश कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग 9 व 10 जून 2016 को संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह की अध्यक्षता में माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर (अजमेर) में सम्पन्न हुआ। कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग के प्रथम सत्र में कार्यकर्ताओं का विभागशः परिचय हुआ। इस सत्र में प्रदेश संगठन मंत्री डॉ. ग्यारसीलाल जाट ने अभ्यास वर्ग के महत्व को बताते हुए समय एवं कार्यकर्ता नियोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र कार्यवाह श्री हनुमानसिंहजी का पाथेय प्राप्त हुआ। उन्होंने वैचारिक अधिष्ठान को ही संगठन का मूल आधार बताया। उन्होंने कहा कि जिनका अधिष्ठान पक्का है वे ही सच्चे कार्यकर्ता बनते हैं। कमजोर को संरक्षण एवं समाज के लिए शुभ ही मेरे लिए शुभ है की भावना ही हमारी परम्परा है। उन्होंने ट्रेड यूनियन की भांति कार्य न करके विचार के आलोक में व्यापक सामाजिक दृष्टिकोण से कार्य करने का आह्वान किया। अभ्यास वर्ग में तीन सत्रों में चक्रीय बैठकें हुई जिनमें अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेन्द्रजी कपूर, श्री हनुमानसिंहजी एवं डॉ. ग्यारसीलाल जाट का मार्गदर्शन मिला। इन बैठकों में संगठन भाव, संगठन में कार्यकर्ताओं के दायित्व, कार्यक्रम योजना, सदस्यता, संगठन विस्तार, शैक्षिक उन्नयन के कार्यक्रम को आयोजित करने एवं शिक्षकों की समस्याओं को प्रस्तुत करने आदि पर चर्चा की गई।

अगले सत्र में राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे.पी.सिंघल ने संगठन के ध्येय वाक्य ''राष्ट्र हित में शिक्षा, शिक्षा हित में शिक्षक, शिक्षक हित में समाज'' की विस्तार से व्याख्या की। उन्होंने समाज में शिक्षकों के गिरते सम्मान पर चिन्ता व्यक्त करते हुए प्राचीन काल के समान ही समाज में शिक्षकों की प्रतिष्ठा स्थापित करने के लिए निष्ठापूर्वक एवं ईमानदारी से दायित्व निर्वहन का आह्वान किया। उन्होंने विभिन्न शिक्षक समस्याओं पर भी चर्चा करते हुए उनके निस्तारण में आने वाली कठिनाईओं एवं समाधान की प्रक्रिया को बताया।

अभ्यास वर्ग के अगले दिन आयोजित सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र प्रचारक श्री दुर्गादासजी ने भारत में ज्ञान-विज्ञान की उज्ज्वल परम्परा को विभिन्न उदाहरणों द्वारा बताया। श्री दुर्गादासजी ने भारत द्वारा विज्ञान, तकनीक, खगोल शास्त्र, चिकित्सा आदि क्षेत्र में स्थापित उपलब्धियों एवं उनके साक्ष्यों को विस्तार से बताते हुए राष्ट्रीय गौरव एवं स्वाभिमान भाव विद्यार्थियों एवं समाज में संचरित करने का आह्वान किया। इसके पश्चात् दायित्वानुसार समूहशः बैठकें आयोजित की गई।

इन बैठकों में श्री महेन्द्रजी कपूर, डॉ. दिग्विजयसिंह एवं महामंत्री द्वारा प्रदेश, विभाग, इकाई के दायित्ववान कार्यकर्ताओं से सांगठनिक अपेक्षाओं पर चर्चा की गई।

समारोप सत्र में श्री हनुमानसिंहजी राठौड़ द्वारा राष्ट्रीय स्वाभिमान एवं अद्यतन ज्ञान युक्त पाठ्यक्रम की आवश्यकता एवं शिक्षक की उसमें भूमिका विषय पर प्रबोधन किया गया। उन्होंने पाठ्यक्रम परिवर्तन को लेकर चल रहे वैचारिक युद्ध में सत्य को स्थापित करने के लिए शिक्षक कार्यकर्ताओं को प्रामाणिकता से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि विगत 6 दशकों से एक विचारधारा विशेष को शिक्षा पर थोप कर राष्ट्रीय स्वाभिमान को छिन्न भिन्न करने का प्रयास हुआ है जिसका परिणाम जे.एन.यू. एवं जाधवपुर विश्वविद्यालय में हुई राष्ट्र विरोधी घटनाएं हैं। हमें राजनीति से निरपेक्ष रहकर भारतीयता के विचार का संचार करते हुए विद्यार्थी को सर्वश्रेष्ठ बनाने का प्रयत्न करना चाहिए। सामूहिक वंदे मातरम् के साथ अभ्यास वर्ग का समापन हुआ। अभ्यास वर्ग में प्रदेश के सभी 18 विभागों से 143 कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

3. **पाठ्यक्रम का स्वरूप विषय पर संगोष्ठियाँ सम्पन्न** - पाठ्यक्रम का स्वरूप कैसा हो विषय पर अजमेर, चुरू एवं अलवर में संगोष्ठियाँ आयोजित की गई। अजमेर में आयोजित संगोष्ठी में मुख्यवक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यवाह श्री हनुमानसिंहजी राठौड़ ने अपने वक्तव्य में ऐसे पाठ्यक्रम की आवश्यकता बताई जिसमें चरित्र निर्माण करने, संस्कार, प्रेरणा देने, देशभक्त नागरिक तैयार करने तथा विद्यार्थी को प्राचीन से लेकर नवीनतम ज्ञान से समृद्ध करने की क्षमता हो। इस संगोष्ठी में समाज के विभिन्न प्रतिनिधियों ने पाठ्यक्रमों में सभी धर्मों व महापुरुषों के सिद्धान्तों को समाहित करने एवं पाठ्यक्रमों में संस्कारवान नागरिक तैयार करने की क्षमता होने की आवश्यकता व्यक्त की। चुरु इकाई द्वारा 3 जून को पाठ्यक्रम एवं चरित्र निर्माण विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्यवक्ता श्री हनुमानसिंहजी राठौड़ ने कहा कि चरित्र निर्माण के बिना देश निर्माण संभव नहीं। उन्होंने पाठ्यक्रम के द्वारा चरित्र निर्माण एवं संस्कारवान नागरिक बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

4. **सत्र के प्रथम दिवस रिकार्ड सदस्यता** - प्रदेश कार्यकारिणी के निर्णयानुसार सत्र 2016-17 के प्रथम दिन 1 जुलाई को अधिकतम सदस्यता दिवस के रूप में मनाते हुए रिकार्ड 4387 सदस्यों की सदस्यता प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है कि रुक्टा (राष्ट्रीय) पिछले तीन सत्रों से अपनी सदस्यता केवल जुलाई के प्रथम पखवाड़े में ही संग्रहित करता आ रहा है तथा सत्र के प्रथम दिवस 1 जुलाई को अधिकतम सदस्यता का संग्रहण करता है।

5. **महाराणा प्रताप जयंती पर कार्यक्रम संपन्न** - संगठन की राजकीय महाविद्यालय, अजमेर इकाई ने महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर महाविद्यालय में अवस्थित महाराणा प्रताप की मूर्ति पर माल्यार्पण किया इस अवसर पर एक संगोष्ठी भी आयोजित की गई जिसमें मुख्यवक्ता डॉ. सुशील बिस्सू ने महाराणा प्रताप के जीवन प्रसंगों का उद्धरण देते हुए सदैव देशहित में कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर अजमेर विभाग के 60 से अधिक शिक्षक साथी उपस्थित थे।

आगामी कार्यक्रम

1. **गुरु वंदन कार्यक्रम** - केन्द्र की योजना से प्रतिवर्ष श्री गुरु पूर्णिमा को, जो इस वर्ष 19 जुलाई को है, संगठन द्वारा इकाईश: गुरु वन्दन कार्यक्रम करना तय हुआ है। पिछले वर्षों में अनेक इकाईयों द्वारा गुरु वंदन कार्यक्रम अच्छी प्रकार सम्पन्न हुए हैं तथा इस कारण से समाज में सकारात्मक संदेश गया है। महर्षि वेदव्यास के प्रेरक जीवन के आलोक में वर्तमान भारतीय शिक्षक गुरु परम्परा बनी रहे, इस विचार के अनुसरण में ही सभी सदस्यों से इकाईश: आयोज्य गुरुवंदन कार्यक्रम में सहयोग का आग्रह है।
2. **विभागश: शैक्षिक संगोष्ठी** - रुक्टा (राष्ट्रीय) ने शिक्षक हित के साथ-साथ शिक्षा एवं व्यापक समाजहित में घनीभूत कार्य करने की पहचान स्थापित की है। राज्य की उच्च शिक्षा में निरन्तर प्रगति हो, विद्यार्थी को सर्वश्रेष्ठ नागरिक बनाने के सभी उपकरण उच्च शिक्षा में हो इस दृष्टि से संगठन कार्य करता रहा है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए कार्यकारिणी ने इस वर्ष सितम्बर-अक्टूबर माह में विभागश: शैक्षिक संगोष्ठी आयोजित करने का निर्णय लिया है। गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के घटक यथा परीक्षा, पाठ्यक्रम, शिक्षक प्रशिक्षण, कैम्पस वातावरण, मूलभूत सुविधाएं आदि विषयों पर विभागश: एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की जानी है। शिक्षक साथियों को तिथि एवं स्थान की सूचना आयोजन करने वाली इकाई/विभाग द्वारा दी जायेगी। आप सभी से इन संगोष्ठियों में सक्रिय सहभाग का आग्रह है।

नवीन शैक्षणिक सत्र 2016-17 प्रारंभ हो गया है। परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि यह सत्र हम सब शिक्षकों के लिए, विद्यार्थियों के लिए एवं सम्पूर्ण शिक्षा जगत के लिए ज्ञान एवं उपलब्धियों के प्रकाश की नवीन रश्मियाँ लेकर आये। हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय

(डॉ. नारायणलाल गुप्ता)

20, चित्रकूट कॉलोनी,
माकड़वाली रोड़, अजमेर-305004

अमृत वचन

हमें विद्यार्थियों के चारों ओर राष्ट्र तथा देशप्रेम का वायुमंडल निर्माण करना चाहिए। उनकी निष्ठाओं का आधार-बिन्दु परिवार से बाहर होना चाहिए। हमें उनसे अपने भारत देश के लिए बलिदान, भारत के लिए भक्ति, भारत के लिए ज्ञान का आह्वान करना चाहिए। आदर्श स्वयं लक्ष्य हो, भारत का उत्थान भारत के लिए हो, यह भाव उनके जीवन में प्राण के समान व्याप्त हो। हमें उन्हें शिक्षा संस्थान और घर दोनों में भारत के विषय में बताते रहना चाहिए। -'भगिनी निवेदिता'